Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि - 03/A1

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 200**

राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परम्परा और धरोहर
Raj. History, Art, Culture, Literature, Tradition and Heritage of Rajasthan

Paper - Ist (Unit-I)

		MARKS	
Name :			
Enroll. No.:	Part	Attempted Questions	Marks Obtained
Date of Birth :	Part - A	25	22.5
Medium : Hindi	Part - B	16	50
Email :	Part - C	7	37
Exam Date : 29/12/2023	Total	48	109.5
Inviligators Signature :			
ECN: **RCN:**	**Hindi:** 12.5	**English:** 4	

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. दिये गये रिक्त स्थान में निर्देशित शब्द सीमा में उत्तर दें।
   Write the answers according to the prescribed word limit, in the space given.
3. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
4. परीक्षा के पश्चात् उत्तर पुस्तिका हॉल अधीक्षक को सौंप दें।
   Return the answer booklet to the hall superintendent after completing the paper.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?				
a.	**Answer Relevancy**		✓		
b.	**Answer Enrichment** points like use of: **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc.				✓
	Association with the Current Affairs and **use of examples** to explain the concept and idea				✓
2.	HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion			✓	
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps		✓		
c.	**Language & Grammar**			✓	
d.	**Word limit**		✓		

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव :-

1. +ve | -ve
2. - विषय पर अच्छी | - लेखन कला पर
3. पकड़ है | थोड़ा सा काम करे
4. - तथ्यात्मक ज्ञान | -
5. बहुत अच्छा
6. है
7. - Best of
8. luck
9.
10.
11.

Note : Answer the following questions in 15 words. Each question carries 2 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 15 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. दलाराम बाग संग्रहालय क्यों प्रसिद्ध है?
Why is Dalaram Bagh Museum famous?

आमेर में महल (किले) में दलाराम का बाग बना हुआ है जो एक संग्रहालय के रूप में बनाया हुआ है। इसमें प्राचीन शासकों के अस्त्र-शस्त्र को रखा गया है।

(1)

Comment: स्थापना - 1940 में ह वामहल में उत्खनीत स्थलों की सामग्री का संग्रहालय

2. दिल्ली-शिवालिक अभिलेख से किस चौहान शासक के बारे में जानकारी मिलती है? शिलालेख की मुख्य विषयवस्तु क्या है?
Information about which Chauhan ruler is obtained from the Delhi-Shivalik inscription? What is the main subject matter of the inscription?

दिल्ली शिवालिक अभिलेख चौहान शासक ~~बीसलदेव~~ विग्रहराज IV के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। विग्रहराज ने दिल्ली तक का क्षेत्र अपने अधीन कर लिया था।

(1/2)

Comment: दिल्ली शासक अनंगपाल तोमर को पराजित किया।

3. राजस्थानी साहित्य की 'मरस्या' और 'दवावैत/दवावेत' शैली के एक-एक उदाहरण लिखिए।
Write two examples each of 'Marsya' and 'Dawavait' style of Rajasthani literature.

मरस्या → यह एक शोक काव्य है
जैसे → राणो जगपत री मरस्या

(1/2)

दवावैत

अचलमल देवड़ा री दवावैत
महाराणा जवानसिंह री दवावैत

Comment: और प्रयास करें

Comment

1274 ई.

4. रसिया जी की छतरी।
Rasiya Ji Ki Chhatri.

रसिया जी की छतरी चित्तौड़गढ़ से प्राप्त शिलालेख है। इससे प्राचीन समय की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक स्थिति का पता चलता है।

अच्छा प्रयास है।

रचना - वेद शर्मा द्वारा
यह 53 - पंक्तियों के संबंधित जानकारी

5. 'बीकानेर षड्यंत्र मुकदमा' क्या था?
What was 'Bikaner Conspiracy Case'? सत्यनारायण बड़ा.

बीकानेर में बीकानेर प्रजामण्डल के सदस्य महाराम वैद्य, रघुवरदयाल गोयल ने महाराज गंगासिंह के निरंकुश, अत्याचारी शासन के विरुद्ध बीकानेर दिग्दर्शन पत्र बँटवाए जिस कारण महाराजा गंगा सिंह ने उन पर बीकानेर षडयंत्र मुकदमा चलाया।

द्वितीय गोलमेज (1931) सम्मेलन में

'तथ्यों' पर ध्यान दें

6. 'भवाई' नाट्य क्या है?
What is 'Bhavai' drama?

भवाई नाट्य के जन्मदाता बाघाजी थे इस नृत्य में अत्यन्त तीव्र गति से अंगों का संचालन किया जाता है इस नृत्य में महिलाओं द्वारा सिर पर 5-7 घड़े रखकर नृत्य प्रदर्शन किया जाता है।

प्रमुख कलाकार - श्रेष्ठा सोनी (लिटिल वण्डर)
अस्मिता काला

गुजरात से सटे राजस्थानी क्षेत्र में काफी लोकप्रिय

Samyak
An Institute For Civil Services

(5)
Comment

7. 'जट-कतराई'
'Jat-Katrai'

(2)

→ राजस्थान की प्रमुख हस्तकला है।
→ ऊँट के बालों को काटकर उस पर आकृतियाँ बनाना जटकतराई कहलाता है।

विषय पर अच्छी समझ है

8. एल.पी. टैसीटोरी का राजस्थानी साहित्य में क्या योगदान रहा है?
What has been the contribution of L.P. Tessitori to Rajasthani literature?

इटली

एल.पी. टैसीटोरी राजस्थान के साहित्य लेखन के प्रारंभिक इतिहासकारों में से है। इन्होंने राजस्थानी भाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं पर अपने लेख जिससे राजस्थानी साहित्य स्रोत का पता चलता है।

(1)

चारण साहित्य
पश्चिमी राज. का व्याकरण नामक पुस्तक लिखी।

9. 'अभिनव भारत समिति'
1907 'Abhinav Bharat Society'

1999 में मित्र मेला संगठन की स्थापना वी.डी. सावरकर ने की थी जो आगे चलकर वर्ष 1904 में अभिनव भारत समिति के रूप में स्थापित (वी.डी.सावरकर)
उद्देश्य → भारत में अंग्रेजी शासन के खिलाफ क्रांतिकारी गतिविधियों बढ़ाना। सदस्य- सुरेन्द्रनाथ दत्त, वारीन्द्र कुमार घोष

(1/2)

तथ्यात्मक पहलु को ध्यान में रखें।

Comment

बेगूं; बिजोलिया आंदोलन में भाग लिये

10. अंजना देवी चौधरी राजस्थान के इतिहास में क्यों प्रसिद्ध हैं?
Why is Anjana Devi Chaudhary famous in the history of Rajasthan?

अंजना देवी चौधरी रामनारायण चौधरी की पत्नी थी जिसने किसान आन्दोलनो में अपनी सक्रिय भूमिका निभायी तथा अंग्रेजी शासन की कटु आलोचना की तथा जिस में जाने वाली प्रथम महिला थी।

23 वर्ष की उम्र में खादी धारण कर ली

11. मण्डन की वास्तुकला संबंधित रचनाओं के नाम लिखो।
Write the names of the works of Mandan related to architecture.

महाराणा कुंभा का प्रमुख शिल्पी मण्डन था यह वास्तुकला का प्रमुख था।

प्रमुख रचना → राजवल्लभ, वास्तु मंजरी

कोदंड मंडन, रूपमंडन, वास्तुसार, आपतत्व

और सुधार करे

12. कुराड़ा के खनन से क्या सामग्री प्राप्त हुई है? यह सभ्यता किस काल की है?
What material has been obtained from the mining of Kurada? Which period does this civilization belong to?

कुराडा नागौर में स्थित एक प्राचीन ताम्र युगीन सभ्यता स्थल है यहां से मृदभाण्ड, मछली पकडने का कांटा, तीर, भाला आदि प्राप्त हुए है यह सभ्यता प्रागैतिहासिक काल की है

तांबे के हथियार व औजार मिले है

13. 'शाहपुरा प्रजामंडल'
'Shahpura Prajamandal'

1938 गोकुल लाल असावा

शाहपुरा प्रजामण्डल की स्थापना सुदर्शन देव तथा लादूराम व्यास ने मिलकर की थी।
→ शाहपुरा पहली देशी रियासत था जिसने सर्वप्रथम उत्तरदायी शासन की स्थापना की।

तथ्यों पर पकड़ मजबूत करें

1/2

14. 'राजमहल के युद्ध' का तत्कालीन राजस्थान की राजनीति में क्या महत्त्व है?
What is the significance of 'Battle Of Rajmahal' in the politics of the then Rajasthan?

राजमहल का युद्ध जयपुर शासक ईश्वरी सिंह तथा मराठों के बीच में राजमहल (टोंक) में हुआ था इसमें ईश्वरी सिंह ने मराठों को पराजित किया। इस युद्ध से मराठाशाही कमजोर हुई।

मराठों का राजस्थान राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ गया।

1

माधोसिंह

15. भोमट भील आंदोलन?
Bhomat Bhil Movement?

1921

भोमट भील आन्दोलन दक्षिणी राजस्थान में डूंगरपुर तथा उदयपुर के बीच का क्षेत्र है यहाँ के भीलों द्वारा किये गये जनजाति आन्दोलन (मोतीलाल तेजावत -एकी आन्दोलन) तथा गोविन्द गिरी (भगत पंथ, सम्प सभा आन्दो०) कहलाये।

1

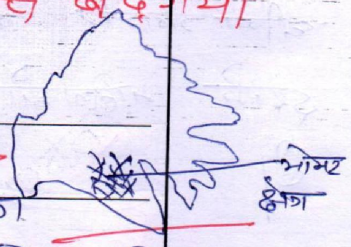

राजनीतिक व सामाजिक जागृति के लिये।

Comment

16. राजस्थान के किन्हीं चार निर्गुण भक्ति संप्रदायों का नामोल्लेख कीजिए।
Mention any four Nirguna Bhakti sects of Rajasthan.

(i) स्वामी लालगिरी → अलखिया सम्प्रदाय
(ii) रामस्नेही सम्प्रदाय → शाहपुरा भीलवाड़ा (रामदास जी)
(iii) निरंजनी सम्प्रदाय → संत हरिदास जी
(iv) जसनाथी सम्प्रदाय → जसनाथ जी

2 विषय की अच्छी समझ है

17. 'कुरजाँ' गीत का मूल भाव स्पष्ट करें।
Explain the basic meaning of the song 'Kurjaan'.

कुरंजा गीत मुख्यता पश्चिमी राजस्थान का प्रमुख एक विरह प्रेम कथा आधारित गीत है जिसमें प्रेयसी द्वारा अपने प्रियतम की याद में गाया जाता है।

2 अच्छा प्रयास है

18. धींगा गणगौर
Dhinga Gangaur

मेवाड़ क्षेत्र में गणगौर के उत्सव (पर्व) पर धींगा गणगौर का आयोजन किया जाता है इसमें महिलाओं द्वारा पुरुषों को मारा जाता है।

1/2

बिजयमाला पर पकड़ कमजोर है

महिलाओं द्वारा पुरुषों का भेष धारण
– बैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया

19. संत सुंदरदास जी के प्रमुख ग्रंथ कौन-कौन से हैं?
What are the main books of Saint Sunderdas ji?

संत सुंदरदास के प्रमुख ग्रन्थ →

सुन्दर विलास | ज्ञान समुद्र | सुख समाधि

1/2

सुंदर ग्रंथावली, ज्ञान समुद्र

विषय को अच्छी समझ है

20. वॉल्टर राजपूत हितकारिणी सभा की स्थापना का मूल उद्देश्य क्या था?
What was the original objective of establishing Walter Rajput Hitkarini Sabha?

वाल्टर राजपूत हितकारिणी सभा का गठन → कर्नल वाल्टर द्वारा किया गया। 1/2

उद्देश्य → राजपूतों में व्याप्त कुरीतियाँ (त्याग प्रथा, कन्या वध, बहु विवाह) समाप्त करना तथा राजपूतों में व्याप्त अनावश्यक खर्च को सीमित करना।

1887
अच्छा लिखा है

21. रणथंभौर के शासक हम्मीर के शासनकाल की जानकारी देने वाले ग्रंथ और उनके लेखकों के नाम बताइए।
Name the texts and their authors that give information about the reign of ruler of Ranthambore, Hammir.

(1) हम्मीर मदमर्दन → जयसिंह सूरी

(2) चौहान कल्पद्रुम

1/2

(3) हम्मीररासो - जोधराज / सारंगधर

- हम्मीरायण - व्यास भाण्डऊ

- श्रृंगार हार - हम्मीर देव

~~विषय~~ तथ्यों पर काम करें

Comment

22. 'घोड़ा-बावसी'
'Ghoda-Bavasi'

यह आदिवासी क्षेत्र में मिट्टी के कलात्मक घोड़े बनाये जाते हैं जिनकी भील, गरासियों में मान्यता है।

देवताओं को चढ़ाया जाता है।

23. डाबड़ा किसान आंदोलन
Dabra Peasant movement

डाबड़ा किसान आन्दोलन 13 मार्च, 1947 को मारवाड़ लोकपरिषद का सम्मेलन डाबड़ा (डीडवाना) में छगनलाल चौपासनीवाला, मथुरादास माथुर, द्वारिकानाथ पुरोहित द्वारा आयोजित किया जिस जागीरदारों द्वारा लाठ. से मारपीट की गई।

जाटों का धर्मोपल्ली

24. शंकर राव देव समिति
Shankar Rao Dev Committee

शंकर राव देव समिति की सिफारिश पर मत्स्य संघ को 15 मई 1949 को वृहत्त राजस्थान संयुक्त में मिलाया गया था।

अध्यक्ष – डॉ. शंकर देव राव

सदस्य – प्रभुदयाल, आर. के सिद्धवा

25. 'बांगड़ के धणी' [illegible]
'Bangar Ke Dhani'

मोतीलाल पाण्ड्या को बागड़ के धणी के रूप में जाना जाता है। इन्होंने डूंगरपुर में प्रजामण्डल की स्थापना की तथा लोगों को उनके अधिकारों हेतु जागृत किया।

0

प्रश्न की प्रकृति के अनुसार उत्तर दें

Note : Answer the following questions in 50 words. Each question carries 5 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. ओझियाणा सभ्यता से प्राप्त पुरातात्विक वस्तुएँ इतिहास को जानने में किस प्रकार सहायक हैं?
How are the archaeological objects found from Ozhiyana civilization helpful in knowing history?

2 खारी नदी के किनारे

ओझियाणा सभ्यता भीलवाड़ा में स्थित सभ्यता स्थल है। इस स्थल की खोज पुरातत्व विशेषज्ञों द्वारा की गई, यहाँ से प्राचीनकाल में फसल (खेती करने) के साक्ष्य, पशुपालन, हाथी, बैल की आकृतियाँ, मृद्भाण्ड, बर्तन, कांसे के औजार, कील, बाण, तीर, कांटा (मछली पकड़ने) प्राप्त हुए हैं जिनसे राजस्थान इतिहास को जानने में आसानी रहती है।

उत्खनन – बी.एन. मिश्रा (2000 ई.)

अच्छा प्रयास किया गया है

Comment

2. गुर्जर-प्रतिहार शासक वत्सराज की प्रमुख सांस्कृतिक उपलब्धियों का चित्रण कीजिए।
Describe the major cultural achievements of the Gurjara-Pratihara ruler Vatsaraja.

गुर्जर-प्रतिहार शासक एक महान शासक था। इसने अपने समय अनेक विद्वानों को आश्रय दिया था तथा प्रशासन तंत्र मे सभी धार्मिक व्यक्तियों को शामिल किया था। वत्सराज के समय विदेशी यात्री सुलेमान भारत मे रहा था उसने भी गुर्जर प्रतिहार क्षेत्र का दौरा किया था।

प्रश्न की प्रकृति अनुसार लेखन करें

1

वत्सराज

सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

दरबारी विद्वान

3. राजस्थान में गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में निर्मित मंदिरों की विशेषताएँ उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
Explain with examples the characteristics of the temples built in Gupta and post-Gupta period in Rajasthan.

राजस्थान में मन्दिर निर्माण की प्रमुख शैली नागर शैली की उपशैली महागुर्जर तथा सोलंकी शैली रही है इस शैली के मन्दिरों मे शिखर परिलक्षित, वेदीबन्ध, ऊपर कलशनुमा, एक मुख्य दरवाजा, चबूतरा का पाया जाना प्रमुख विशेषता है। प्रमुख मन्दिर → शीतलेश्वर महादेव मन्दिर (झालावाड़), सेवाड़ी का जैन मन्दिर (पाली) उन्डेश्वर महादेव मन्दिर, सच्चियाय माता का मन्दिर, अद्भुतनाथ का मन्दिर प्रमुख है।

3½

विषयवस्तु पर अच्छी पकड़ है

→ सामंतकाल कैसे से शुरुआत

4. सामंतवाद को परिभाषित कीजिए। सामंतवाद के प्रभावों की संक्षिप्त विवेचना करें।
Define feudalism. Briefly discuss the effects of feudalism.

सामंतवाद से आशय है कि राजाओं के अधीन सामंत होते थे वे किसानों से भूमि की लगान, प्रशासन, न्याय का कार्य देखते थे अतः उनके द्वारा यह कार्य करना ही सामंतवाद कहा जाता है।

3/1/2

विषय की भूमिका नमस्त

सकारात्मक व नकारात्मक पक्ष

③

5. उन्नीसवीं सदी में राजस्थान में हुए भील विद्राहों के कारणों को रेखांकित कीजिए।
Outline the reasons for the Bhil revolts that took place in Rajasthan in the nine-teenth century.

राजस्थान में भील विद्रोह दक्षिणी राजस्थान में डूंगरपुर, उदयपुर, बाँसवाड़ा में हुए थे।
→ मोतीलाल तेजावत द्वारा एकी आन्दोलन, तथा गोविन्द गिरी द्वारा – भोमट भील, भगत आन्दोलन प्रारंभ किया गया।

3

रखवाली कर

अच्छा प्रयास है

1818 की संधि / भील दमन नीति

Comment

6. 1857 की क्रांति में सलूंबर और कोठारिया ठिकाने का क्या योगदान रहा है?
What was the contribution of Salumbar and Kotharia Thikana's in the revolution of 1857?

सलूम्बर और कोठारिया के ठिकानों ने 1857 की क्रांति में क्रांतिकारियों (विद्रोहियों) को धन, बल, संसाधनों की आपूर्ति करवायी थी। → कोठारिया के रावतजोध सिंह तथा सलूम्बर के ठिकानेदार विशनसिंह ने आउवा के ठाकुर कुशाल सिंह तथा तात्यां टोपे को सहायता की थी। जिस कारण दोनों ठिकानेदार ने क्रांति के दौरान क्रांतिकारियों में जोश भरने का कार्य किया था।

अच्छा लिखा है प्रयास करो

2

7. वैद्य मघाराम की प्रजामंडल आंदोलन से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख कीजिए।
Mention the major activities of Vaidya Magharam, related to Prajamandal movement.

मघाराम वैद्य का सम्बंध बीकानेर प्रजामण्डल से है। इन्होंने प्रारंभ में बीकानेर प्रजामण्डल की स्थापना 1936 में कलकत्ता में की थी बाद में 1936 में बीकानेर में बाबुमुक्ता प्रसाद के साथ मिलकर प्रजामण्डल की स्थापना की थी। → इन्होंने बीकानेर में प्रजापरिषद का सम्मेलन → बुलाया जहाँ बीरबल सिंह की मृत्यु पर बीरबल दिवस मनाया, नेताजी दिवस, स्वतंत्रता दिवस, कांगड़ काण्ड भी सम्बंधित है।

महिलाएं?

विषयवस्तु की अच्छी समझ है

2½

पुस्तकें?

→ महिलाओं के प्रकाशित के लिए

8. कटराथल महिला सम्मेलन राजस्थान के किसान आंदोलनों में क्यों महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है? व्याख्या कीजिए।

Why does Katrathal Women's Conference hold an important place in the farmers' movements of Rajasthan? Explain.

कटराथल महिला सम्मेलन 25 अप्रैल, 1934 को किशोरी देवी तथा अन्य (लगभग 1000) महिलाओं के साथ सीकर में आयोजित हुआ।

✡ किसान आन्दोलनों में भूमिका :- इस सम्मेलन के पश्चात महिलाओं में भी जागृति उत्पन्न हुई तथा वे किसान आन्दोलनों में साथ देना प्रारंभ किया (नारायणी देवी, अंजनादेवी चौधरी, रतन शास्त्री)

✡ सीकर के इस आन्दोलन की गूँज केन्द्रीय असेम्बली तथा ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स तक गूँज रही थी।

अच्छी लेखन शैली

3½

9. खानवा के युद्ध में राणा सांगा की हार के कारण कौन-कौन से थे? इस युद्ध के राजपूताना की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़े?

What were the reasons for Rana Sanga's defeat in the battle of Khanwa? What effect did this war have on the politics of Rajputana?

खानवा के युद्ध में राणा सांगा की हार के कारण (1) बाबर की युद्ध नुमा पद्धति (तुलगुमा पद्धति), (2) बाबर का तोपखाना (3) सांगा द्वारा बाबर की सेना का सही अनुमान लगाना (नहीं लगाना) (4) सांगा द्वारा मेवाड़ से दूर युद्ध करना

राजपूताना की राजनीति पर प्रभाव → मुगल साम्राज्य की स्थापना तथा राजपूताना का शासन कमजोर, राजपूतों द्वारा मुगलों से संधियाँ कर, मनसबदारी ग्रहण, खिलअत प्राप्त कर

विषय की अच्छी समझ

3½

विश्वासघात ?

→ चंग - होली पर

Comment

10. शेखावाटी क्षेत्र के प्रमुख क्षेत्रीय नृत्यों का संक्षिप्त में वर्णन करो।

Briefly describe the major regional dances of Shekhawati region.

शेखावाटी के प्रमुख क्षेत्रीय नृत्यों जैसे → कच्छी घोड़ी, गीदड़ नृत्य, का आयोजन प्रमुख रूप से होता है।

कच्छी घोड़ी → यह शेखावाटी क्षेत्र का प्रमुख व्यावसायिक नृत्य है जिसमें एक लकड़ी की घोड़ी बनाकर पुरुषों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाता है। यह विशुद्ध रूप से पुरुष नृत्य है। महिलाएँ नहीं करती।

गीदड़ नृत्य → यह भी शेखावाटी क्षेत्र में होली के समय किया जाता है, इस रूप, चंग वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।

तथ्यात्मक पक्षों को तर्कसंगत में सारगर्भित करें।

2½

11. मारवाड़ी भाषा की प्रमुख उप-बोलियाँ कौन-कौन सी हैं?

What are the main sub-dialects of Marwari language?

राजस्थान के सर्वाधिक क्षेत्र में बोली जाने वाली बोली मारवाड़ी है।

इसकी प्रमुख उपबोलियां निम्न है- थली, ढटकी, गोडवाड़ी, देवड़ावाटी, नागौरी, मेवाड़ी को शामिल किया जाता है। यह राजस्थान की मुख्य बोली है। देवड़ावाटी - सिरोही, आबू क्षेत्र, थली - जैसलमेर, चूरू, सुजानगढ़ क्षेत्र में, गोडवाड़ी - जालोर-पाली (गोडवाड़ क्षेत्र में), मेवाड़ी बोली मेवाड़ क्षेत्र में बोली जाने वाली है।

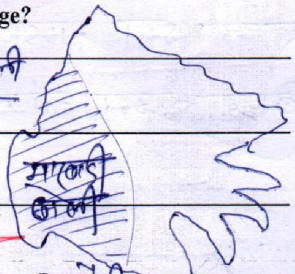

3½

बहुत अच्छा लिखा है
और प्रयास करें।

12. जसनाथी संप्रदाय की मूल मान्यताओं को रेखांकित करें।
Outline the basic beliefs of Jasnathi sect.

जसनाथी सम्प्रदाय की स्थापना - जसनाथ जी द्वारा, प्रमुख पीठ - कतियासर (बीकानेर) में की तथा प्रमुख ग्रन्थ थे -> सिंभुदड़ा एवं कोण्डा

3/7

जसनाथी सम्प्रदाय की मूल्य मान्यताएँ :(1) यह एक निर्गुण भक्ति धारा पर आधारित (2) एकेश्वरवाद पर बल (3) सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, बहुविवाह, अस्पृश्यता निवारण पर जोर (4) हिन्दु-मुस्लिम एकता पर बल दिया (5) पुरोहितवाद, कर्मकाण्ड का विरोध किया था (6) स्त्री शिक्षा, समानता पर बल

मूल भी
महत्ता पर बल
- अहिंसा का पालन,
- भगवा वस्त्र
36 नियम

विषय पर अच्छी पकड़ है

13. राजस्थान साहित्य अकादमी और राजस्थान संस्कृत अकादमी के कार्यों व इनके द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों का उल्लेख करें।
Mention the works of Rajasthan Sahitya Academy and Rajasthan Sanskrit Academy and the awards given by them.

राजस्थान साहित्य अकादमी -> देवीलाल सामर के प्रयासों से उदयपुर में स्थापना की गई। 1958

प्रमुख कार्य साहित्य अकादमी:
- साहित्य के क्षेत्र में पुरस्कार देना
- साहित्य के क्षेत्र विकास को बढ़ावा देना
- साहित्य के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा
- युवा साहित्यकारों को प्रोत्साहन

प्रमुख पुरस्कार -> सर्वोच्च पुरस्कार - साहित्य अकादमी पुरस्कार
राघेय राघव पुरस्कार, आदि।
साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार

संस्कृत अकादमी -> इसके द्वारा संस्कृत साहित्य को बढ़ावा दिया जाता मुख्यालय - जयपुर में है
प्रमुख पुरस्कार -> माघ पुरस्कार

2/7

अच्छा प्रयास है और सुधार के साथ लिखें

Comment

14. कवि करणीदान का राजस्थानी भाषा के लिए क्या साहित्यिक योगदान रहा है?
What has been the literary contribution of poet Karanidan to Rajasthani language?

जोधपुर। महाराजा अभय सिंह का दरबारी कवि करणीदान था जिससे राजस्थानी भाषा में सूरज प्रकाश ग्रन्थ की रचना। इन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से राजस्थानी भाषा को ऊंचाई प्रदान की। इन्होंने अपने कवि काल में सोरठे, दोहे, ग्रन्थो की रचना से साहित्य को एक नई ऊंचाई दी तथा समाज में व्याप्त प्रथाओं, कुरीतियों, आडम्बरों की आलोचना की। इस प्रकार करणीदान का योगदान अहम माना जाता है।

जतीरासा + अभयभूषण ग्रंथों की रचना

2½

15. 'मांडणे' राजस्थानी संस्कृति व संस्कारों को परिलक्षित करते हैं- स्पष्ट कीजिए।
'Mandanas' reflects Rajasthani culture and traditions – explain.

माण्डने से आशय है शुभ कार्य, विवाह, पर्व, त्योहार आदि के समय घर पर विभिन्न रंगो से कलाकृतियाँ बनाना माण्डणे कहलाता है। जैसे- स्वास्तिक का चिन्ह आदि। इन माण्डनो से राजस्थानी संस्कृति तथा संस्कारों को पहचानने में आसानी रहती है ये संस्कृति के परिचायक होते है जैसे पुराना कोई आख्यान हो उस पर चित्र जैसे माण्डने बनाना, मिट्टी पर दीपक बनाना, दीवारों पर हाथ, घड़ा, शुभ का चिन्ह बनाना सभ्यता, संस्कृति तथा संस्कारों के परिचायक है।

3½

विषय की अच्छी समझ है

लोक मानस की स्मारक

16. 'मत्स्य संघ' के राजस्थान में विलय के घटनाक्रम का चित्रण करें।
Describe the events of merger of 'Matsya Sangh' in Rajasthan.

3½

मत्स्य संघ का विलय 18 मार्च, 1948 (अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली तथा नीमराणा ठिकाने) को मिलाकर किया गया था। इसमें अलवर, भरतपुर में मेव लोग रहते थे ये मेवस्तान की माँग करने लगे तथा भरतपुर तथा धौलपुर अपने आप को उत्तरप्रदेश में शामिल होना चाहते थे मगर सर्वे किया तो अधिकांश जनता राजस्थान में शामिल होना चाहती थी। यह खबर की गाँधीजी के हत्यारे ने अलवर में शरण ली। अतः अलवर का प्रशासन रीजेंसी कौंसिल को दिया। नाम दिया के एम मुंशी। उद्घाटन - वी एन गाडगिल, राजधानी -> अलवर 1949 को मिला दिया गया

तथ्यात्मक समस्त अच्छी है प्रभाव करते हैं

Note : Answer the following questions in 100 words. Each question carries 10 marks.

नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. राजस्थान में राष्ट्रीय चेतना अथवा जनजागृति के उदय के कारणों की चर्चा कीजिए।
Discuss the reasons for the rise of national consciousness or public awareness in Rajasthan.

राजस्थानी लोगों में राष्ट्रीय चेतना/जागृति के प्रमुख कारण ->

3½

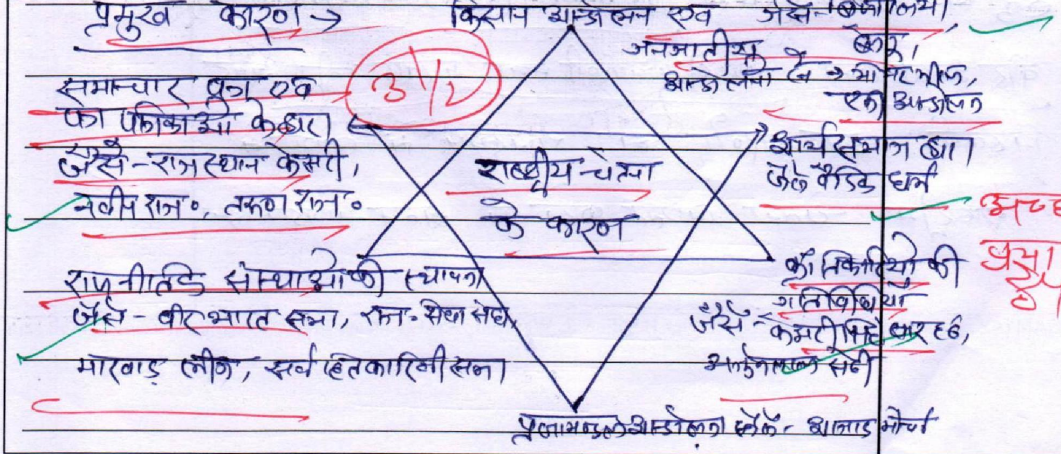

अच्छा प्रयास है

Comment

किसान एवं जनजातीय आन्दोलन → इन आन्दोलनों ने 'आमजन' में अपने अधिकारों, अवैध लगान, लाग-बाग, बैठ-बेगार के विरुद्ध जागृति प्रदान की जैसे- बिजोलिया, बेंगू किसान आन्दोलन, बूंदी का बरड़, अलवर आदि।

समाचार पत्र पत्रिकाएँ → प्रमुख पत्र - मजहरूलसरूर (1849-भरतपुर), लोकहित, लोकवाणी, राजपूताना गजट, राजस्थान टाइम्स, राजस्थान केसरी, आगीवाण ने जागृति फैलायी।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ → चिरंजी लाल ने क्रांतिकारी दल की स्थापना, केसरीसिंह बारहठ, जोरावर सिंह बारहठ, अर्जुनलाल सेठी, प्रतापसिंह बारहठ, गोपालसिंह खरवा (सशस्त्र क्रांति) ने जागृति उत्पन्न की।

प्रजामण्डल आन्दोलन → इन आन्दोलनों ने लगानवृद्धि का विरोध, प्रभात फेरियाँ, शराबबंदी हेतु धरने, आवारा पशु को मारने, वाचनालय, पुस्तकालय, पाठशालाएँ स्थापना हेतु आन्दोलन चलाये। (माहेश्वरी नवयुवक मंडल (रघुनाथ सिंह)

~~समाचार पत्र पत्रिकाएँ~~ राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन → इन्होंने लोगों में अपने अधिकारों के प्रति जागृति, स्वाभिमान हेतु जागृति फैलाई जैसे- प्रताप सभा (1915), रा० सेवासंघ (1919) वीर भारत सभा, नागरी प्रचारिणी सभा, मारवाड़ हितैषी आदि

निष्कर्षत: इन कारणों से राजस्थान में लोगों में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में अहम योगदान दिया

5½

विश्लेषण अच्छा
पकड़,
6

2. जोधपुर के महाराज जसवंत सिंह और उनके समकालीन मुगल शासकों के साथ राजनीतिक संबंधों की व्याख्या करें।

Explain the political relations of Maharaja Jaswant Singh of Jodhpur with his contemporary Mughal rulers.

जोधपुर महाराजा जसवंतसिंह तथा उनके समकालीन मुगलशासक औरंगजेब तथा उनके पुत्र बहादुरशाह, दारा शिकोह प्रमुख रहे थे।

→ जसवंतसिंह ने उत्तराधिकारी युद्ध में दारा शिकोह का साथ दिया था मगर दारा शिकोह पराजित हो गया था।

→ जसवंतसिंह के मुगलशासकों के साथ सामान्यतः मधुर सम्बंध थे इनके काल में इन्होंने मुगलों (औरंगजेब तथा बहादुरशाह) के समय उनके दक्षिणी भारत में किये गये अभियानों की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी थी। इन्होंने मुगलों का प्रतिरोध नहीं किया बल्कि उनसे संधियों के मार्फत शासन संचालन किया था। इन्होंने जसवंत थडा का निर्माण करवाया था (मारवाड़ का ताजमहल)।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है जसवंतसिंह तथा मुगल शासकों के बीच राजनीतिक सम्बंध सामान्य थे।

तथ्यात्मक पहलुओं को और शामिल करने का प्रयास करें।

अच्छा प्रयास है।

3/7

Comment

3. राजस्थान की प्रमुख महिला संतों की समाज सुधार व धर्म सुधार में भूमिका का चित्रण कीजिए।

Describe the role of prominent women saints of Rajasthan in social reform and religious reform.

राजस्थान की प्रमुख महिला संत मीरांबाई, सहजोबाई, दयाबाई, डालीबाई रही

मीरां बाई → इन्होंने कृष्ण भक्ति को ही जीवन का सबकुछ माना। इन्होंने अस्पृश्यता, छुआछूत, भेदभाव का विरोध किया तथा सामाजिक समानता, एकता को बल दिया। ऊँचनीच, अमीर-गरीब, शोषक शोषित का भेद समाप्त करने पर बल दिया तथा हिन्दु मुस्लिम एकता की पक्षधर रही है।

सहजो बाई → चरणदासजी की शिष्या थी जिन्होंने निर्गुण भक्ति को आगे बढ़ाते हुए समाज मे व्याप्त कुरीतियों बाल विवाह, बहुविवाह, जातपांत, अस्पृश्यता, छुआछूत का विरोध किया तथा सामाजिक समानता को बल।

दयाबाई → यह भी चरणदास जी की शिष्या थी इन्होंने सामाजिक समानता एकता, हिन्दु-मुस्लिम के ऊपर बल दिया

डाली बाई → रामदेवजी की बहिन थी जिन्होंने भी अस्पृश्यता निवारण, दलितोत्थान के कार्य किये

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि महिला संतो ने सामाजिक तथा धार्मिक रूप से राज्य मे अहम योगदान दिया है

4½

प्रमुख तथ्य
सामाजिक योगदान

4. मध्यकालीन राजस्थान में भूमि के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए राजस्व वसूली की प्रमुख प्रणालियों की विवेचना करें।

Explain the types of land in medieval Rajasthan and discuss the main systems of revenue collection.

मध्यकालीन राजस्थान में भूमि मुख्यतया दो प्रकार की होती थी → (i) खालसा भूमि → जो राजा के सीधे नियंत्रण मे होती थी (ii) जागीर भूमि → जो जागीरदारों के अधीन होती थी जिस पर जागीरदार लगान वसूल करते थे जिसके प्रमुख प्रकार - भौम जागीर, सासण जागीर है।

राजस्व वसूली की प्रमुख प्रणालियाँ → मध्यकाल मे राजस्व वसूली की विभिन्न प्रणालियाँ प्रचलित थी जैसे लाटा-कूंता, मुकाता, उदग, भोग कर आदि।

4½

भोग कर - व्यक्तिगत भूमि पर लिया जाता था।

उदग कर → सामूहिक भूमि पर लिया जाता था।

लाटा-कूंता एवं मुकाता → यह मध्यकाल में भूमि की फसल को कूंत करके (अनुमान) लगान का निर्धारण किया जाता था।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि मध्यकालीन राजस्व की वसूली हेतु अपनायी गयी राज्य में प्रणालियाँ किसानो पर दुगुना से ज्यादा कर उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर करने वाली थी।

- हलगत
- मुकाता
- डोरी
- बीघोड़ी

Comment

5. 'शेखावाटी के किसान आंदोलन राजस्थान के इतिहास में महत्त्वपूर्ण रहे हैं'- कथन के आलोक में शेखावाटी के प्रमुख किसान आंदोलनों का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
In the light of the statement 'The farmer movements of Shekhawati have been important in the history of Rajasthan', present the details of the major farmer movements of Shekhawati.

शेखावाटी प्रदेश सीकर, चूरू, झुन्झुनू मे होने वाले किसान आन्दोलन जैसे - सीकर किसान आन्दोलन, दूधवा खारा किसान आन्दोलन प्रमुख है।

1922-35

सीकर किसान आन्दोलन → प्रमुख किसान मुख्यतः जाट जाति से थे इस आन्दोलन के नेतृत्व कर्त्ता रामनारायण चौधरी, हरलाल सिंह, ठाकुर देशराज प्रमुख थे। किशोरी देवी के नेतृत्व मे 25 अप्रैल, 1934 को कटराथल मे 1000 महिलाओं भाग लिया
→ राजस्थान सेवा संघ ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया

4½

दूधवा खारा किसान आन्दोलन → चूरू के दूधवा खारा मे किसान नेता चौधरी हनुमान सिंह के नेतृत्व मे किसानो ने यह आन्दोलन प्रारंभ किया। दोनो आन्दोलनो के प्रमुख कारण → लगान, लाग-बाग, बेगार, अवैध बेदखली, अत्यधिक करारोपण, बंधुआ मजदूरी (सागड़ी प्रथा), सामन्ती अत्याचार प्रमुख है।
निष्कर्षतः शेखावाटी क्षेत्र के किसान आन्दोलनो ने राजस्थान के अन्य किसान आन्दोलनो, आमजन, महिलाओं, बालको मे जागृति उत्पन्न की है।

विषय पर अच्छा समझ है तथ्यात्मक पक्षों को जोड़ने का प्रयास करें

→ कुंदन गांव हत्याकांड - 1935
→ जयसिंह पुरा घटना
→ कटराथल किसान आंदोलन

Samyak
An Institute For Civil Services

(25)
Comment

6. प्रजामंडल आंदोलनों के प्रति कांग्रेस पार्टी के रूख की चर्चा करते हुए इन आंदोलनों के राजनीतिक और सामाजिक प्रभावों का वर्णन करें।
Discussing the attitude of the Congress Party towards the Prajamandal movements, describe the political and social effects of these movements.

प्रजामण्डल आन्दोलनों का प्रारंभ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1938 के हरिपुरा अधि० (सुभाषचन्द्र बोस) मे निर्णय लिया की रियासतें उत्तरदायी शासन तथा प्रजातांत्रिक अधिकारों की प्राप्ति हेतु आन्दोलन करे और यह आन्दोलन राजस्थान में प्रजामण्डल के रूप में स्थापित हुआ। कांग्रेस पार्टी प्रारंभ से ही प्रजामण्डल आन्दोलनों की पक्षधर रही है जैसे प्रमुख नेता - जेबी कृपलानी (मेवाड़ प्रजामण्डल) नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और विजय लक्ष्मी पण्डित मारवाड़ प्रजा० तथा नेहरू - जैसलमेर प्रजा० में आये।

राजनीतिक प्रभाव → लोगों में अधिकारों के प्रति जागृति, स्वतंत्रता, समानता की माँग, प्रजातांत्रिक अधिकारों की माँग

सामाजिक प्रभाव → जैसलमेर प्रजामण्डल ने रघुनाथसिंह ने माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर - चरखा संघ (खादी), वाचनालय, पुस्तकालय, पाठशालाएँ, प्रभातफेरियाँ, शाखाएँ, स्वदेशी का प्रयोग, खादी वस्त्र उपयोग का समर्थन किया।

निष्कर्षतः प्रजामण्डल आन्दोलनों ने राजनीतिक तथा सामाजिक दृष्टि से व्यापक रूप में प्रभावित किया है।

विषय पर बहुत अच्छी समझ है।

5½

Comment

7. किशनगढ़ शैली के प्रमुख चित्रकारों की चर्चा करते हुए इस शैली की मूलभूत विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

Discussing the major painters of Kishangarh style, throw light on the basic characteristics of this style.

5/12

राजस्थान की चित्रकला शैलीयों में प्रमुख स्थान किशनगढ़ चित्रशैली का आता है, इस शैली पर राधाकृष्ण की भक्ति, वल्लभ सम्प्रदाय का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। इस शैली के प्रमुख चित्रकार → मोरध्वज, सवाईराम, मोरध्वज, अमीरचन्द, किशनदास, शिवदास है।

→ सांवतसिंह (नागरीदास) का काल स्वर्णकाल है। इन्होंने बणी ठणी का प्रसिद्ध चित्र बनाया तथा अमीरचन्द ने चाँदनी रात की संगोष्ठि चित्र बनाया।

→ इस शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय- फयाज अली एवं एरिक डिक्सन को दिया जाता है।

प्रमुख विशेषताएँ → (1) राधा कृष्ण की प्रेम लीलाओं पर आधारित चित्र, (2) खंजन सी आँखें (3) नाक में बेसरी (कजरारी) आभूषण पहना हुआ (4) मोर (मयूर) कादम्बरी (5) केले का चित्रण (6) चित्रकारों द्वारा नाम का प्रयोग नहीं किया गया (7) रेखाओं का कम प्रयोग (8) स्त्री सौन्दर्य का चित्रण (9) चित्रों में सहजता, नवीनता, कुशलता, नयापन दिखाई देता है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि यह शैली राज्य की अन्य शैलियों के समान एक उत्कृष्ट चित्रशैली है।

बहुत अच्छा प्रयास किया गया है

1. निम्नांकित उपसर्गों के योग से दो-दो शब्द बनाइए- 5 अंक

(i) अति - अत्युक्ति, अतिरिक्त, अत्यधिक

(ii) अभि - अभ्युक्ति, अभ्यस्त, अभियोग

(iii) प्रति - प्रतिदिन, प्रत्युपकार, प्रत्याहार

(iv) वि - वियोग, विशेष, विन्यास

(v) अनु - अनुकरण, अन्वेषक, अनु अन्वेषण

2. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग पृथक कीजिए-

(i) अपेक्षा - अप + ईक्षा

(ii) निरीह - नि + रीह

(iii) अनुदार - अन् + उदार

(iv) बदबू - बद + बू

(v) अवाप्ति - अव + आप्ति

3. निम्नांकित प्रत्ययों का संयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाइए- 5 अंक

(i) अनीय - दर्शनीय, पूजनीय, पठनीय

(ii) आव - अलगाव, बिखराव

(iii) आवट - लिखावट, बसावट, गिरावट

(iv) इयल - मरियल, दढ़ियल, सड़ियल

(v) इक - उद्योग+इक औद्योगिक, मौलिक, यौगिक

Comment

4. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय पृथक् कीजिए।

(i) कौरव - कुरु + अ (1/2)

(ii) माहात्म्य - महा + आत्म्य (महात्मा + य) (1/2)

(iii) सलाहकार- सलाह + कार (1/2)

(iv) दैत्य दिति + य (1/2)

(v) कबाड़ी कबाड़ + ई (1/2)

5. जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर (राजस्थान) की ओर से जिला पुलिस अधीक्षक मथुरा (उत्तर प्रदेश) को सीमावर्ती क्षेत्र में हो रही लूट-मार की समस्या के समाधान हेतु अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए।

मृदुल कच्छावा (भा.पु.से.) कार्यालय जिला पु० अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक भरतपुर भरतपुर जिला - भरतपुर

29-10-2023

(3)

अ० शा० प० क्र. 5/2023

~~प्रिय~~ महोदय,

उपर्युक्त प्रासंगिक पत्र में लेख है कि सीमावर्ती क्षेत्र में हो रही लूटमार की समस्या हेतु मिलकर एक संयुक्त कार्य योजना बनायी जावे ताकि इस समस्या का निराकरण हो सके तथा आमजन को राहत प्रदान हो।

शुभकामनाओं सहित

शुभेच्छु

मृदुल कच्छावा

(ह. मृदुल कच्छावा

पु. अ० भरतपुर)

प्रेषिति: श्री क.ख.ग

पुलिस अधीक्षक - मथुरा

जिला उत्तरप्रदेश

— पत्र के ढांचे को ध्यान में रखते हुये लेखन करें

(A) Identify the error and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 1-5)

Marks 5

1. The pond near my house abounds by fish.

with

The Pond near my house abounds [to] fish.

2. Our house was broken in a few days ago but nothing was stolen.

Our house [had] broken in a few days ago but nothing was stolen

was

3. The M.L.A has encroached upon the public land.

An [An] M.L.A has encroached upon the public land.

The

4. He died from a heart attack.

of a

He died [with] a heart attack.

5. Please look out these words in the dictionary.

look up

please find out these words in the dictionery.

(B) Identify the error and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 6-10)

Marks 5

6. Work hard lest you will fail.

should

work hard Lest you [shall] fail.

7. Shall you bring me a glass of water?

[Will] you bring me a glass of water?

8. You won't travel first class with a second class ticket.

You won't travel first class [to] a second class ticket.

may

9. Shall you live long!

can't

Should will you Live long!

10. I shall not listen to you unless you talk sense.

I will not listen to you unless you won't talk sence.

Comment

(C) Write a letter to the Superintendent of Police drawing his attention to the increasing number of criminal cases, violence and unlawful activities in your city (area) and the ineffectiveness of the local Thanas. (150 words) Marks 10

464, Shyam Nagar
Vivek vihar
Man Sarovar Jaipur.
Sep 29, 2023
To The Superintendent of Police
Dist. Jaipur.
Subject: about the attention to the increasing number of criminal cases, violence and unlawful.
Sir,
Most respect that our area at this time criminal cases, much growth and Robbery and other unlawful activity and violence activity are increasing.
I shall the your are taken a hard action of these unlawful activity.
Your Sincerely
XYZ
Mansarovar Jaipur

8½

maintain The structure of letter all over good efforts

show ineffectiveness of local Thanas